कुलपति कल से टीम के साथ हर विभाग जाएंगी, नैक टीम की तरह सवाल पूछेंगी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में 21 नवंबर से शुरू होने वाले नैक (नेशनल असेसमेंट एंड एक्रिडिएशन काउंसिल) की टीम के निरीक्षण की तैयारी अंतिम दौर में है। 16 नवंबर से कुलपति प्रो. रेणु जैन कुछ सीनियर प्रोफेसरों और अफसरों की नई टीम के साथ एक-एक विभाग में निरीक्षण करेंगी। इस दौरान वे नैक टीम की तरह ही सवाल पूछेंगी और जरूरत पड़ने पर प्रेजेंटेशन भी देखेंगी। इधर, 21 नवंबर की सुबह से शुरू होने वाले नैक की टीम के निरीक्षण से पहले एनसीसी-एनएसएस छात्रों द्वारा परेड के जरिए अगवानी की जाएगी। तिलक लगाकर सदस्यों का स्वागत होगा। इसके बाद निरीक्षण शुरू होगा। पहले और दूसरे दिन आठ सदस्यीय टीम नालंदा और तक्षशिला परिसर के अलग-अलग विभागों में पहुंचेगी। प्रेजेंटेशन देखेंगी। अंतिम दिन एक्जिट मीटिंग होगी। इसमें कुलपति का प्रेजेंटेशन भी होगा। प्रो. एके सिंह के अनुसार टीम की अगवानी के लिए यूनिवर्सिटी तैयार है।

इधर, डीएवीवी में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कंपनियां कर चुकीं प्लेसमेंट, 3 साल में 47 का हुआ सिलेक्शन

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के टीचिंग विभागों में भी प्लेसमेंट को लेकर हाईटेक तरीका अपनाया जा रहा है। यहां पिछले तीन साल में 47 छात्रों का प्लेसमेंट विभिन्न कंपनियों में ऑनलाइन प्रक्रिया के जरिए हुआ। यहां फोन पर इंटरव्यू के बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पर्सनल इंटरव्यू लिए गए। यूटीडी की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के प्रभारी अवनीश व्यास और डॉ. निशिकांत वाइकर के अनुसार अब यह चलन तेजी से बढ़ रहा। अभी प्रयोग के तौर पर तीन सालों में 10-12 कंपनियों ने यह प्रक्रिया की।

वीसी से प्लेसमेंट की प्रक्रिया इस तरह करते हैं पूरी

- लिंक के जरिए छात्रों का रजिस्ट्रेशन करवाया जाता है।
- ऑनलाइन टेस्ट होता है। टेस्ट में पास होने वाले छात्रों को मार्क्स के आधार पर शॉर्ट लिस्ट करते हैं।
- फिर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ग्रुप इंटरव्यू होता है। इसके बाद पर्सनल इंटरव्यू लिए जाते हैं।

पर्यावरण संरक्षण में दें अहम योगदान

बच्चों को अपने बेहतर भविष्य के लिए अभी से पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना चाहिए, यह आदत उन्हें एक अच्छा जीवन देगी। इसके साथ ही बच्चों को हरियाली के आसपास रहते हुए इसे बचाने के लिए काम करना चाहिए, क्योंकि बच्चे जो एक बार ठान लेते हैं तो करके दिखाते हैं। आजकल कई बच्चे इनडोर गेम्स अधिक खेल रहे हैं, जबकि बेहतर स्वास्थ्य के लिए उन्हें आउटडोर गेम्स में अधिक समय देना चाहिए। इसके साथ ही मोबाइल, टीवी से दूर रहकर आंखों की रोशनी को खोने से बचाएं। नैतिक शिक्षा को अपनाएं।

-प्रो. रेणु जैन, कुलपति, डीएवीवी